VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

सुर्ख़ियों में रही प्रजातियां

VISION IAS

INSPIRING INNOVATION

OUR ACHIEVEMENTS

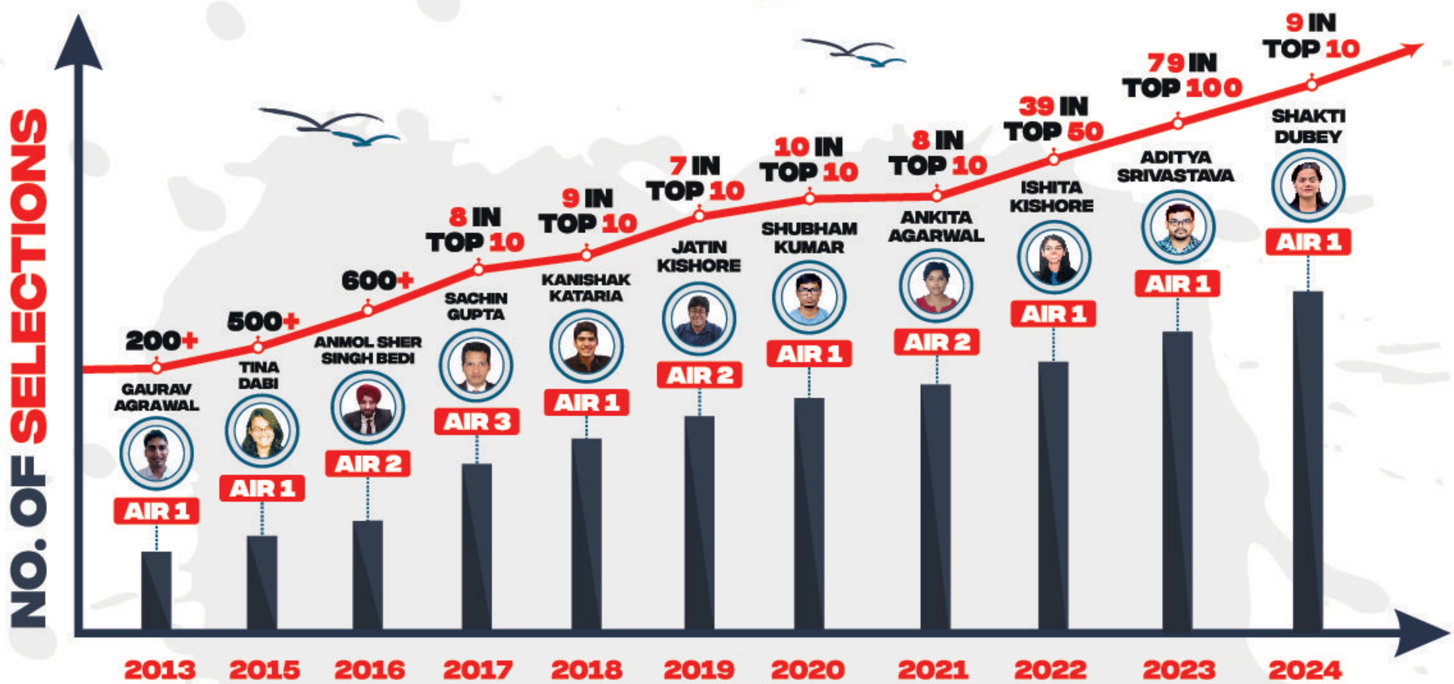

LIVE/ONLINE
Classes Available

www.visionias.in

Foundation Course

GENERAL STUDIES

PRELIMS cum MAINS 2026, 2027 & 2028

DELHI : 22 APR, 11 AM | 28 APR, 5 PM | 29 APR, 2 PM
30 APR, 11 AM | 7 MAY, 8 AM

GTB Nagar Metro (Mukherjee Nagar): 17 APR, 6 PM | 30 APR, 8 AM

हिन्दी माध्यम | DELHI: 6 मई, 11 AM | 22 अप्रैल, 11 AM

AHMEDABAD: 7 MAY | BENGALURU: 6 MAY | BHOPAL: 6 MAY | CHANDIARH: 18 JUN

HYDERABAD: 7 MAY | JAIPUR: 10 MAY | JODHPUR: 7 MAY | LUCKNOW: 6 MAY | PUNE: 7 MAY

फाउंडेशन कोर्स सामान्य अध्ययन 2026

▸ प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा और निबंध के लिए महत्वपूर्ण सभी टॉपिक का विस्तृत कवरेज

DELHI : 22 अप्रैल, 11 AM | 6 मई, 11 AM | JAIPUR : 12 मई | JODHPUR : 7 मई | प्रवेश प्रारम्भ BHOPAL | LUCKNOW

Scan the QR CODE to download VISION IAS App. Join official telegram group for daily MCQs & other updates.

/visionias.upsc | /c/VisionIASdelhi | /c/VisionIASdelhi | /t.me/s/VisionIAS_UPSC

DELHI: GMMR 33, Pusa Road, Near Karol Bagh Metro Station, Opposite Pillar No. 113, Delhi - 110005 | **CONTACT:** 8468022022, 9019066066

AHMEDABAD | BENGALURU | BHOPAL | CHANDIGARH | GUWAHATI | HYDERABAD | JAIPUR | JODHPUR | LUCKNOW | PRAYAGRAJ | PUNE | RANCHI

विषय सूची

स्थलीय जानवर

ग्रे वुल्फ.. 1
रेड पांडा.. 1
एशियाई शेर..2
चीता..2
भारतीय बाघ या रॉयल बंगाल टाइगर (Panthera tigris)..........................3
भारतीय हाथी (Elephas maximus)....4
नीलगिरी तहर..5
हूलॉक गिब्बन..5
पैंगोलिन..6
मारखोर..6
इंडियन बाइसन (गौर)............................ 7
फिशिंग कैट.. 7
आइबेरियन लिंक्स.................................... 7

पक्षी प्रजातियां

जिप्स इंडिकस (भारतीय गिद्ध)................8
ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB).........................9
लेसर फ्लोरिकन (Sypheotides indicus)..9
जेरडॉन्स कोर्सर..10
ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क..................................10
अमूर फाल्कन..10

जलीय प्रजातियां

यूरेशियन ऊदबिलाव..................................11
वैक्विटा..11
ब्लू व्हेल..11
गंगा नदी डॉल्फिन..................................12

सरीसृप, कीट, उभयचर, आदि

नेप्टिस फिलिरा..12
बटरफ्लाई सिकाडा..................................13
भौंरा..13
घड़ियाल (Gavialis gangeticus)........13
सी-एनीमोन..14
बैटिलिप्स चंद्रायणी..................................14
समुद्री खीरा..14
स्पर्म व्हेल (Physeter macrocephalus)..................................15
ऑलिव रिडले कछुए..................................15
इंडियन स्टार कछुए (Geochelone elegans)..16

पादप प्रजातियां

यूट्रीकुलेरिया (Bladderworts).............16
सी-वीड..17
एक्विलारिया मैलाकेंसिस (अगरवुड)......17
सिंद्रिचिया कैनिनर्विस..................................17
सेमल वृक्ष (सिल्क कॉटन ट्री)................18
मेसिप्टेरिस ओब्लान्सियोलाटा (Tmesipteris oblanceolata)...........18
पाम वृक्ष..18
नीलकुरिंजी..19
कलमी/ करमुआ/ नारी साग (Water Spinach)..19
अश्वगंधा (Withania somnifera)........19
कश्मीरी चिनार..20
उष्णकटिबंधीय पादप सुबाबुल................20
डिक्लिप्टेरा पॉलीमोर्फा..................................20
सी-बकथॉर्न..21
जलकुंभी..21

वंतारा में जानवर

ओकापी..22
अफ्रीकी शेर (Panthera leo)................22
दो सिर वाला दुर्लभ कछुआ (Bicephalic Chelonian)....................22
ओरंगुटान (Pongo spp.)............................23
लेमूर..23

सुर्ख़ियों में रही प्रजातियां

नोट: 'वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2022' के तहत किए गए संशोधनों के अनुसार, **CITES** के परिशिष्टों के अंतर्गत आने वाली सभी प्रजातियां अब अधिनियम की **अनुसूची IV** के अंतर्गत सूचीबद्ध हैं।

स्थलीय प्राणी

ग्रे वुल्फ

भारतीय भेड़िया	हिमालयन वुल्फ या तिब्बती वुल्फ
IUCN स्थिति: LC	IUCN स्थिति: VU
CITES: परिशिष्ट I	CITES: परिशिष्ट I
WPA, 1972: अनुसूची I	WPA, 1972: अनुसूची I

संदर्भ

- **उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले** में आदमखोर भेड़िये के हमले के बाद भेड़ियों को पकड़ने के लिए वन अधिकारियों ने **'ऑपरेशन भेड़िया'** शुरू किया है।

विशेषताएं

- ये बहुत ही सामाजिक होते हैं और **6-8 सदस्यों वाले समूह** में रहते हैं।
- ये **बहुत तेज गति से दौड़** सकते हैं।
- यह भेड़िया आमतौर पर **आजीवन एकल साथी (Monogamous)** के साथ रहता है। समूह में **नर भेड़िये का प्रभुत्व** होता है।
- **ये अलग-अलग आवाजें निकालकर और गंध छोड़कर** संचार स्थापित करते हैं।

पर्यावास

- **भारतीय भेड़िया:** ये राजस्थान, गुजरात तथा प्रायद्वीपीय भारत में पाए जाते हैं।
- **हिमालयन वुल्फ या तिब्बती वुल्फ:** ये **ऊपरी ट्रांस-हिमालय क्षेत्र** में पाए जाते हैं।

रेड पांडा

IUCN स्थिति: EN

CITES: परिशिष्ट I

WPA, 1972: अनुसूची I

प्रजाति पुनप्राप्ति कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल 22 प्रजातियों में से एक

संदर्भ

- दार्जिलिंग के **पद्मजा नायडू हिमालयन चिड़ियाघर** के रेड पांडा कार्यक्रम को **WAZA (वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ जू एंड एक्वेरियम) संरक्षण पुरस्कार 2024** के लिए फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया है।

विशेषताएं

- यह **स्तनपायी जानवर** अपना **अधिकांश समय पेड़ पर** गुजारता है। रेड पांडा को पारिस्थितिक तंत्र में होने वाले परिवर्तनों का एक महत्वपूर्ण संकेतक (Indicator species) माना जाता है।
- ये पहाड़ों पर आसानी से चढ़ जाते हैं; ये आम तौर पर अकेले रहना पसंद करते हैं, लेकिन प्रजनन के मौसम में नर और मादा एक साथ आते हैं। ये सुबह में और गोधूलि के समय सबसे अधिक सक्रिय रहते हैं। इसलिए इन्हें **क्रिपस्कुलर** जीव भी कहा जाता है।
- यह **सिक्किम का राजकीय पशु (स्टेट एनिमल) है।**

पर्यावास

- पर्णपाती और शंकुधारी पेड़ों के मिश्रित वन, विशेषकर जहां बांस के घने क्षेत्र पाए जाते हैं।
- **प्राप्ति क्षेत्र:** भारत में सिक्किम, पश्चिम बंगाल, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश; नेपाल, भूटान, म्यांमार, चीन।

एशियाई शेर

IUCN स्थिति: EN

CITES परिशिष्ट I

WPA, 1972 अनुसूची I

प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल 22 प्रजातियों में से एक

संदर्भ

- **गिर वन** से छह एशियाई शेर **बरदा वन्यजीव अभयारण्य (BWS)** में पलायन कर गए हैं।

विशेषताएं

- ये **अफ्रीकी शेर की तुलना में आकार में थोड़े छोटे** होते हैं।
- एशियाई नर शेरों की **अयाल (Mane)** कम घनी होती है।
- शेरों का कोई **विशेष प्रजनन काल नहीं** होता है।

पर्यावास

- ये केवल गिर वन और गुजरात के सौराष्ट्र के अन्य संरक्षित क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

संरक्षण हेतु उपाय

- **प्रोजेक्ट लायन की घोषणा** 15 अगस्त, 2020 को की गई।

चीता

एशियाई चीता

IUCN स्थिति: CR

CITES परिशिष्ट I

WPA, 1972 अनुसूची I

अफ्रीकी चीता

IUCN स्थिति: VR

CITES परिशिष्ट I

संदर्भ

- गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य (GSWS) को भारत में चीतों के दूसरे पर्यावास के रूप में विकसित किया जा रहा है।

विशेषताएं

- **जहां बिग कैट्स की अन्य प्रजातियां (शेर, बाघ, तेंदुआ, जगुआर आदि) दहाड़ती हैं, वहीं चीता दहाड़ता नहीं है।**
- यह दुनिया का **सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनपायी** है। यह 1952 में भारत में **विलुप्त होने वाला एकमात्र बड़ा मांसाहारी जानवर** है।

पर्यावास

- **अफ्रीकी चीता**: उप-सहारा अफ्रीका (नामीबिया में सबसे बड़ी आबादी)।
- **एशियाई चीता**: केवल ईरान के शुष्क इलाकों तक सीमित है।

संरक्षण हेतु उपाय

- इस प्रोजेक्ट के तहत **दुनिया में पहली बार किसी बड़े जंगली मांसाहारी जानवर को एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप में स्थानांतरित** किया गया है।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA)।

भारतीय बाघ या रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*)

संरक्षण की स्थिति

CITES परिशिष्ट I

IUCN स्थिति: EN

WPA, 1972 अनुसूची I

पर्यावास

- **बाघ के प्राकृतिक पर्यावास वाले देश:** बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, चीन, भारत, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, रूस, थाईलैंड और वियतनाम।
- **भारत में बाघ का पर्यावास क्षेत्र:** शिवालिक-गंगा मैदान; मध्य भारत और पूर्वी घाट; पश्चिमी घाट; पूर्वोत्तर क्षेत्र की पहाड़ियां एवं ब्रह्मपुत्र बाढ़ का मैदान; सुंदरबन इत्यादि।
- **वितरण:**
  - बाघों की सबसे अधिक संख्या **मध्य प्रदेश** में है। इसके बाद **कर्नाटक और उत्तराखंड** का स्थान है।

विशेषताएं

- यह **भारत की फ्लैगशिप प्रजाति** है।
- **अम्ब्रेला स्पीशीज।**
- बाघ **एकांतप्रिय** जीव है, जो **निशाचर** होता है और **अपने क्षेत्र की सीमा निर्धारित** करता है।
- आमतौर पर एक वयस्क नर का क्षेत्र दो से सात मादाओं के क्षेत्र को मिलाकर हो सकता है।
- **प्रत्येक बाघ के शरीर पर मौजूद धारियां अलग-अलग** होती हैं। जैसे सभी **मनुष्यों के फिंगरप्रिंट** अलग-अलग होते हैं, उसी प्रकार सभी बाघों की धारियां भी अलग-अलग होती हैं।

खतरा

- पर्यावास नष्ट होना, शिकार प्रजातियों की कमी, गैर-कानूनी शिकार और अवैध व्यापार, मनुष्यों के साथ संघर्ष, आदि।

संरक्षण संबंधी प्रयास

- **प्रोजेक्ट टाइगर (1973):** यह एक **केंद्र प्रायोजित** योजना है। इसका उद्देश्य **इन-सीटू (स्व-स्थाने) संरक्षण** करना है।
- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA):** यह एक **वैधानिक** निकाय है। इसका गठन **2006** में प्रोजेक्ट टाइगर को प्रशासित करने के लिए **WPA, 1972 में संशोधन** करके किया गया था।
- यह भारत का **राष्ट्रीय पशु** है।
- **M-STrIPES:** यह डिजिटल निगरानी प्रणाली है।
- **ग्लोबल टाइगर इनिशिएटिव (2008):** यह **विश्व बैंक** की एक पहल है।
- **ग्लोबल टाइगर फोरम:** यह एक **अंतर्राष्ट्रीय अंतर सरकारी निकाय** है।
- **अन्य उपाय: कंजर्वेशन अश्योर्ड टाइगर स्टैंडर्ड्स (CA|TS),** विश्व वन्यजीव कोष (WWF) की टाइगर्स अलाइव पहल, आदि।

भारतीय हाथी (*Elephas maximus*)

संरक्षण की स्थिति:

CITES परिशिष्ट I

IUCN स्थिति: EN

WPA, 1972 अनुसूची I

पर्यावास

- ये **मध्य और दक्षिणी पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी व उत्तरी भारत तथा दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत** के कुछ हिस्सों में पाए जाते हैं।
- कुल **वन्य एशियाई** हाथियों की **60% से अधिक** आबादी भारत में पायी जाती है।
- **कर्नाटक** में हाथियों की संख्या सर्वाधिक है। इसके बाद **असम** और **केरल** का स्थान है।
- **कुमकी हाथी:** यह भारत में कैप्टिव एशियाई हाथियों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक शब्द है। इन्हें जंगली हाथियों को नियंत्रित करने के ऑपरेशन में इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

विशेषताएं

- ये **अत्यधिक बुद्धिमान प्राणी** होते हैं। इनमें मजबूत पारिवारिक बंधन और बेहतर संचार कौशल भी देखा गया है।
- यह **एशियाई हाथियों की तीन उप-प्रजातियों में से एक** है। अन्य दो उप-प्रजातियां हैं- **सुमात्रन और श्रीलंकन।**
- **जीवन काल:** इनका जीवन काल **60-70 वर्ष** का होता है।
- **गर्भाधान अवधि:** मादा हाथी की गर्भाधान अवधि **20-22 महीने** की होती है।
- **हाथियों के झुंड का नेतृत्व:** झुंड की सबसे उम्रदराज हथिनी **झुंड की मुखिया** होती है।

खतरा

- **मानव बस्तियों के बसने**, कृषि व उद्योग के विस्तार, **मानव-हाथी संघर्ष, अवैध शिकार** आदि के कारण हाथियों के पर्यावास सिकुड़ रहे हैं या अलग-अलग हिस्सों में बंट रहे हैं।

संरक्षण संबंधी प्रयास

- **हाथी परियोजना:** यह **1992** में शुरू की गई थी।
- हाथी की अधिक संख्या वाले **14 राज्यों में 33 हाथी रिजर्व** स्थापित किए गए हैं।

नीलगिरी तहर

IUCN स्थिति: EN

WPA, 1972 अनुसूची I

प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल 22 प्रजातियों में से एक

संदर्भ

- **तमिलनाडु** सरकार नीलगिरि तहर की आबादी का अनुमान लगाने के लिए एक सिंक्रनाइज़ सर्वेक्षण कर रही है।

इनकी विशेषताएँ

- यह भारत में अन्य समान खुर वाली 12 प्रजातियों में से **दक्षिण भारत में पाए जाने वाली एकमात्र पर्वतीय खुर वाली प्रजाति है।**
- स्थानीय रूप से "वरायडु (Varaiadu)" के नाम से जाना जाता है।
- इनका वर्णन **सिलप्पाथिकारम और शिवकासिंदमणि** ग्रन्थ में मिलता है।

पर्यावास

- यह पश्चिमी घाट की स्थानिक प्रजाति है।
- केरल के अन्नामलाई हिल्स में इरविकुलम राष्ट्रीय उद्यान में सबसे अधिक आबादी।

संरक्षण हेतु उपाय

- यह **तमिलनाडु का राजकीय पशु** है।
- तमिलनाडु द्वारा 7 अक्टूबर को नीलगिरि तहर दिवस घोषित किया गया।

हूलॉक गिब्बन

पश्चिमी हूलॉक गिब्बन

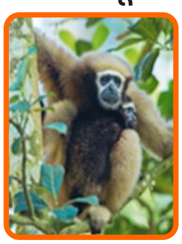

IUCN स्थिति: EN

CITES परिशिष्ट I

WPA, 1972 अनुसूची I

पूर्वी हूलॉक गिब्बन

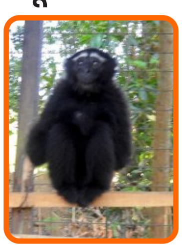

IUCN स्थिति: VU

CITES परिशिष्ट I

WPA, 1972 अनुसूची I

संदर्भ

- राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने असम के हूलोंगापार गिब्बन वन्यजीव अभयारण्य में तेल अन्वेषण को मंजूरी दे दी है।

विशेषताएं

- **इनके दो प्रकार हैं:** पश्चिमी हूलॉक गिब्बन (हूलॉक हूलॉक) और पूर्वी हूलॉक गिब्बन (हूलॉक ल्यूकोनेडिस)।
- वृक्षों पर रहने वाला, दिन के समय सक्रिय तथा अपनी क्षेत्रीय सीमा को लेकर बहुत संरक्षक और आक्रामक।
- **फर के रंग में लैंगिक द्विरूपता:**
  - **पूर्वी हूलॉक गिब्बन:** नर के फर काले रंग के होते हैं और मादा के हल्के भूरे या सुनहरे रंग के फर होते हैं।
  - **पश्चिमी हूलॉक गिब्बन:** नर की सफेद भौंहों के साथ उनके फर काले होते हैं; मादा के फर नारंगी-भूरे रंग के होते हैं।

पर्यावास

- पूर्वोत्तर भारत की स्थानिक प्रजाति।
- **पूर्वी हूलॉक गिब्बन:** अरुणाचल प्रदेश और असम के कुछ हिस्सों में पाया जाता है।
- **पश्चिमी हूलॉक गिब्बन:** असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में पाया जाता है।

पैंगोलिन

भारतीय पैंगोलिन	चीनी पैंगोलिन
IUCN स्थिति: EN	IUCN स्थिति: CR
WPA, 1972 अनुसूची-1	WPA, 1972 अनुसूची-1
CITES परिशिष्ट-1	CITES परिशिष्ट-1

संदर्भ

- **तेलंगाना** में हालिया घटनाओं ने पैंगोलिन की अवैध तस्करी की ओर ध्यान आकर्षित किया है।

विशेषताएं

- पैंगोलिन पूरी तरह से **शल्क से कवर स्तनधारी** है। यह जीव **जंगल में शिकारियों से खुद की रक्षा करने** के लिए अपने आपको शल्कों से ढक लेता है।
- यह **चींटियां, दीमक और लार्वा** खाता है। इसे अक्सर **शल्क वाला चींटीखोर** भी कहा जाता है।
- यह **एकान्तवासी** और मुख्य रूप से **रात्रिचर जीव** है। इसके दांत नहीं होते हैं। इसकी **लंबी व चिपचिपी जीभ इसके शरीर से भी लंबी** होती है।
- भारत में पैंगोलिन की दो प्रजातियां पाई जाती हैं- भारतीय और चीनी पैंगोलिन।

पर्यावास

- यह **पूर्वोत्तर भारत को छोड़कर, हिमालय के दक्षिण में स्थित (शेष संपूर्ण भारत) सभी भागों** में पाया जाता है।
- **चीनी पैंगोलिन की उपस्थिति असम और पूर्वी हिमालय** में भी देखी गई है।

मारखोर

IUCN स्थिति: NT

WPA, 1972 अनुसूची-1

CITES परिशिष्ट-1

संदर्भ

- मारखोर को **दुर्लभ रूप से कश्मीर** में देखा गया है।

विशेषताएं

- यह **विश्व की सबसे बड़ी जंगली बकरी** है।

पर्यावास

- पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और ताजिकिस्तान।
- भारत में यह जीव केवल **केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर (J&K)** में पाया जाता है।

संरक्षण प्रयास

- **वैश्विक:** संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने **24 मई 2024 को अंतर्राष्ट्रीय मार्खोर दिवस** घोषित किया था।
- **भारत: भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट कश्मीर मारखोर रिकवरी प्रोजेक्ट** का संचालन कर रहा है। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर ने **मारखोर के लिए तातकूटी वन्यजीव अभयारण्य** को अधिसूचित किया है।

इंडियन बाइसन (गौर)

IUCN स्थिति: VU

WPA, 1972 अनुसूची I

CITES परिशिष्ट-1

संदर्भ

- हाल ही में, **झारखंड वन विभाग ने पलामू टाइगर रिजर्व** में बाइसन की घटती आबादी की समस्या को दूर करने के लिए एक अध्ययन शुरू किया।

विशेषताएं

- विशालकाय शरीर, बहुत मजबूत और सामाजिक प्राणी।
- **यह एक चराई करने वाला पशु है** तथा पत्ते, फल, तने, फूल और बीज खाता है।
- यह **स्वभाव से दिन के समय सक्रिय** रहने वाला जीव है।
- मादा बाइसन की **गर्भावस्था अवधि मनुष्यों के समान 9 महीने** की होती है।

पर्यावास

- पश्चिमी घाट।
- ये ज्यादातर **सदाबहार वनों और आर्द्र पर्णपाती वनों** में पाए जाते हैं।
- ये आमतौर पर **पहाड़ी की तलहटी** में ही रहते हैं।

फिशिंग कैट

IUCN स्थिति: VU

WPA, 1972 अनुसूची I

संदर्भ

- भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून ने कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य में भारत की पहली 'फिशिंग कैट कॉलरिंग परियोजना' शुरू करने की घोषणा की।

विशेषताएं

- यह एक **विडाल वंशी (Feline)** है। घरेलू बिल्ली की तुलना में इसका आकार लगभग **दोगुना** होता है।
- यह एक **रात्रिचर शिकारी** जीव है। यह बिल्ली प्रजाति मछली, मेंढक, क्रस्टेशियंस, सांप, पक्षियों, जीवों के सड़े हुए शवों आदि को खाती है।

पर्यावास

- आर्द्रभूमि और मैंग्रोव।
- यह जीव भारत में, **मुख्य रूप से सुंदरबन, गंगा और ब्रह्मपुत्र घाटियों से लगती हिमालय की तलहटी तथा पश्चिमी घाट** में पाया जाता है।

आइबेरियन लिंक्स/ वनबिलाव {Iberian lynx (Lynx pardinus)}

IUCN स्थिति: VU

CITES परिशिष्ट-1

संदर्भ

- IUCN के अनुसार, **आइबेरियन लिंक्स** की संरक्षण स्थिति में सुधार हुआ है। पहले यह प्रजाति **"एंडेंजर्ड"** श्रेणी शामिल थी। हालांकि, संरक्षण स्थिति में सुधार के चलते अब इसे **"वल्नरेबल"** की श्रेणी में रखा गया है।

विशेषताएं

- यह प्रजाति अकेले शिकार करती है और रात्रिचर या गोधूलि में सक्रिय रहती है। हालांकि, सर्दियों में इन्हें दिन के समय भी शिकार करते हुए देखा जाता है। यह प्रजाति **छोटे समूह में और अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्र में** पाई जाती है।
- **यूरोपीय खरगोश** इसके आहार के मुख्य स्रोत (80-99%) हैं।

पर्यावास

- यह **आइबेरियन प्रायद्वीप क्षेत्र** की मूल (नेटिव) प्रजाति है।
- ये दक्षिण-पश्चिमी स्पेन में पाए जाते हैं तथा इनकी कुछ आबादी पुर्तगाल में भी पाई जाती है।

जिप्स इंडिकस (भारतीय गिद्ध)

IUCN स्थिति: CR

WPA, 1972 अनुसूची I

प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल 22 प्रजातियों में से एक

संदर्भ

- **मुदुमलै टाइगर रिज़र्व में स्थित मोयर घाटी** एकमात्र ऐसा क्षेत्र है, जहां वन्य पर्यावास में **जिप्स गिद्धों की सबसे बड़ी नेस्टिंग कॉलोनी** है।

विशेषताएं

- इसके गहरे रंग का सिर व गर्दन तथा **हल्के सफेद रंग के फर** हैं। गर्दन के चारों ओर **हल्के रंग का एक घेरा** (कॉलर की तरह) है।
- यह कॉलोनी में घोंसला बनाने वाला पक्षी है और अक्सर समूह (Flocks) में दिखाई देता है।
- इनकी आबादी में कमी होती जा रही है।

पर्यावास

- मुख्य रूप से खुले घास के मैदान
- यह विशेष रूप से **झारखंड, मध्य प्रदेश व राजस्थान** में पाया जाता है।

संरक्षण संबंधी उपाय

- पशु चिकित्सा में उपयोग की जाने वाली **डाईक्लोफेनाक, केटोप्रोफेन जैसी एंटी-स्टेरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी रोधी दवाओं पर प्रतिबंध** लगाया गया है।
- **गिद्ध कार्य योजना 2020-25** संचालित की जा रही है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा 2024 में चयनित सभी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई

9 in Top 10 Selections in CSE 2024 (from various programs of VISIONIAS)

हिन्दी माध्यम में 25+ चयन

137 AIR अंकिता कांति | 182 AIR रवि राज | 412 AIR जितेंद्र कुमावत | 438 AIR ममता | 448 AIR सुख राम | 483 AIR ईश्वर लाल गुर्जर | 509 AIR अमित कुमार यादव

554 AIR विमलेश तिवारी | 564 AIR गौरव छिम्वाल | 618 AIR राम निवास सियाग | 622 AIR आलोक रंजन | 651 AIR अनुराग रंजन वत्स | 689 AIR खेतदान चारण | 718 AIR रजनीश पटेल

731 AIR तेशुकान्त | 760 AIR अश्वनी दुबे | 795 AIR कर्मवीर नरवाडिया | 865 AIR आनंद कुमार मीणा | 873 AIR सिद्धार्थ कुमार मीणा | 890 AIR सुषमा सागर | 893 AIR अरुण मालवीय

895 AIR अजय कुमार | 899 AIR रितिक आर्य | 911 AIR अरुण कुमार | 921 AIR ममता जोगी | 925 AIR विजेंद्र कुमार मीणा | 953 AIR राजकेश मीणा | 998 AIR इकबाल अहमद

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB)

संरक्षण की स्थिति

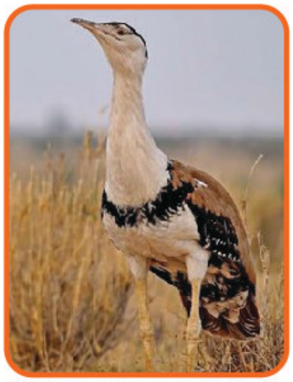

CITES परिशिष्ट I | IUCN स्थिति CR

WPA, 1972 अनुसूची I

क्या यह प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल 22 में से एक है?

संदर्भ

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने बस्टर्ड रिकवरी प्रोग्राम के अगले चरण के लिए धनराशि को मंजूरी दे दी है। इस अगले चरण की अवधि 2024 से 2029 तक के लिए है।

पर्यावास

- यह भारतीय उपमहाद्वीप की **स्थानिक या एंडेमिक** पक्षी प्रजाति है।
- भारत में, इसकी **अधिकांश आबादी राजस्थान और गुजरात** में पाई जाती है।
- इनकी कुछ संख्या **महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश** में भी मिलती है।

संरक्षण प्रयास

- प्रमुख पर्यावास क्षेत्र को राष्ट्रीय उद्यान/ अभ्यारण्य के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। जैसे- मरुस्थल राष्ट्रीय उद्यान, (राजस्थान), नलिया घास का मैदान (लाला बस्टर्ड वन्यजीव अभयारण्य)।
- **राजस्थान** में GIB संरक्षण प्रजनन केंद्र कार्यरत हैं।
- जैसलमेर के राष्ट्रीय प्रजनन केंद्र में कृत्रिम गर्भाधान।
- **2022-23 में अबू धाबी में स्थित नेशनल एवियन रिसर्च सेंटर (NARC)** में कर्मियों को **कृत्रिम प्रजनन तकनीकों** का प्रशिक्षण दिया गया।

खतरा

- अवैध शिकार
- बिजली लाइनों से उलझना
- ऑर्गेनोफॉस्फेट कीटनाशक, आदि

विशेषताएं

- यह घास के मैदानों में रहने वाली **भारतीय उपमहाद्वीप की एक स्थानिक प्रजाति** है।
- नर गोडावण में एक **गुलर पाउच** (गले में एक थैलीनुमा संरचना) होता है, जिसमें वे हवा भरकर जोर से आवाज निकालते हैं ताकि मादा पक्षियों को आकर्षित किया जा सके।
- बच्चों के पालन-पोषण और देखभाल में नर की कोई भूमिका नहीं होती है।

लेसर फ्लोरिकन

CITES परिशिष्ट-1 | IUCN स्थिति CR

WPA, 1972 अनुसूची-1

विशेषताएं

- यह बस्टर्ड परिवार (ओटिडिडे) का सबसे छोटा पक्षी है।

पर्यावास

- राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, और आंध्र प्रदेश।

खतरे

- प्रजनन स्थलों में कीटनाशकों का प्रयोग; कृषि-घास के मैदानों का कुप्रबंधन; आदि।

जेरडॉन्स कोर्सर

IUCN स्थिति: CR

WPA, 1972 अनुसूची I

प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल 22 प्रजातियों में से एक

संदर्भ

- **जेरडॉन्स कोर्सर** को पिछले एक दशक से अधिक समय से नहीं देखा गया है।

विशेषताएं

- यह **निशाचर पक्षी** है। यह **केवल पूर्वी घाट** में पाया जाता है।
- झाड़ीदार पर्यावास में छलावरण के लिए छोटे, रहस्यमय पंख।

पर्यावास

- यह केवल **आंध्र प्रदेश** में पाया जाता है। यह विशेष रूप से **कडप्पा के श्रीलंकामलेश्वर वन्यजीव अभयारण्य** में मिलता है।
- शुष्क, झाड़ीदार वनों और घास के मैदानों को प्राथमिकता।

ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क

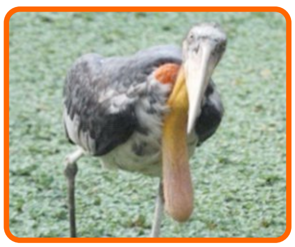

IUCN स्थिति: NT

WPA, 1972 अनुसूची I

संदर्भ

- **पूर्णिमा देवी बर्मन** को ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क **(लेप्टोप्टिलोस डबियस)** के संरक्षण के लिए **2024 का व्हिटली गोल्ड अवॉर्ड** मिला है। इसे **'ग्रीन ऑस्कर'** भी कहा जाता है।

इनकी विशेषताएं

- इसे **'हरगिला'** के नाम से भी जाना जाता है। यह पक्षी केवल **भारत के असम (80%) और बिहार तथा कंबोडिया** में पाया जाता है।
- दुनिया के सबसे बड़े उड़ने वाले पक्षियों में से एक।
- मुख्य रूप से मांसाहारी; सड़े हुए मांस पर निर्भर, लेकिन मछली, सरीसृप और उभयचर भी खाते हैं।

पर्यावास

- यह पक्षी **आर्द्रभूमियों** के पास पाया जाता है। यह बंद वितानों (कैनोपी) वाले ऊंचे वृक्षों पर घोंसला बनाता है और घोंसले वाले वृक्षों के आसपास बांस के झुरमुटों आदि में निवास करता है।

अमूर फाल्कन

IUCN स्थिति: LC

WPA, 1972 अनुसूची I

संदर्भ

- **मणिपुर के तामेंगलोंग जिले** ने अमूर फाल्कन के शिकार पर प्रतिबंध लगा दिया है।

विशेषताएं

- **मणिपुर** में इसे स्थानीय रूप से **'कहुआइपुइना'** के नाम से जाना जाता है।
- **प्रवासी शिकारी पक्षी:** यह पक्षी अपने प्रजनन स्थल **रूस और चीन से दक्षिणी अफ्रीका** तक की यात्रा करता है।
  - यह **22,000 किलोमीटर** की यात्रा करता है। यह किसी भी शिकारी पक्षी द्वारा की जाने वाली **सबसे लंबी समुद्री यात्रा** है।
- अपनी यात्रा के दौरान यह भारत के **मणिपुर और नागालैंड** राज्यों से होकर गुजरता है।
- यह **भोजन के रूप में ड्रैगनफ्लाई** को खाता है। ड्रैगनफ्लाई **अरब सागर के ऊपर अमूर फाल्कन के समान** प्रवास पथ का अनुसरण करती है।

जलीय प्रजातियां

यूरेशियन ऊदबिलाव

IUCN स्थिति: NT

CITES परिशिष्ट I

WPA, 1972 अनुसूची I

संदर्भ

- भारत में पहली बार **सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व (मध्य प्रदेश)** में यूरेशियन ऊदबिलाव को रेडियो-टैग लगाया गया है।

विशेषताएं

- इसके शरीर पर भूरे रंग के फर होते हैं। इनके जालीदार पैर तथा जल में अपने छोटे कान एवं नाक बंद करने की इनकी क्षमता इन्हें जलीय जीवन के अनुकूल बनाती है।
- **भारत में ऊदबिलाव की दो अन्य प्रजातियां भी पाई जाती हैं-**
  - स्मूथ कोटेड (चिकनी खाल वाला) ऊदबिलाव और
  - एशियन छोटे पंजों वाला ऊदबिलाव।

पर्यावास

- यह जीव **यूरोप, एशिया और अफ्रीका** में पाया जाता है।
- यह **भारत के उत्तरी, पूर्वोत्तर और दक्षिणी क्षेत्रों** में पाया जाता है।

वैक्विटा (फोकोएना साइनस)

IUCN स्थिति: CR

CITES परिशिष्ट I

संदर्भ

- एक हालिया सर्वेक्षण में **एंडेंजर्ड समुद्री स्तनपायी, वैक्विटा** की संख्या में भारी गिरावट का पता चला है।

विशेषताएं

- यह **सिटासियन समूह की सबसे छोटी और अब सर्वाधिक संकटग्रस्त** प्रजाति है।
- यह **डॉल्फिन और स्पर्म व्हेल की तरह दांत वाली व्हेल** है। इसके विपरीत, **ब्लू व्हेल जैसी व्हेल** में दांत की बजाय **बेलीन** होती है। बेलीन प्लेट्स वास्तव में मुंह के अंदर **फिल्टर-फीडिंग सिस्टम** है, जो शिकार को छलनी करने में सहायता करते हैं।

पर्यावास

- यह **कैलिफोर्निया की खाड़ी की स्थानिक (एंडेमिक)** प्रजाति है। यहां वैक्विटा की प्रजातियां **कोलोराडो मुहाने की सीमा पर** उथले पानी में पाई जाती है।

ब्लू व्हेल

IUCN स्थिति: EN

CITES परिशिष्ट I

WPA, 1972 अनुसूची I

संदर्भ

- लगभग 60 वर्षों के बाद सेशल्स के निकट समुद्री जल में ब्लू व्हेल को फिर से देखा गया है।

विशेषताएं

- यह **पृथ्वी का सबसे बड़ा और सबसे ऊँची आवाज** वाला जीव है।
- **जीवनावधि:** लगभग 80 से 90 वर्ष
- **सामाजिकता:** कभी-कभी **छोटे समूहों** में तैरती हुई दिखाई देती है, लेकिन आमतौर पर **अकेले या जोड़े** में पाई जाती है।
- **आहार:** यह मुख्य रूप से **क्रिल** को अपना भोजन बनाती है। क्रिल एक **समुद्री क्रस्टेशियाई** (कड़े खोल वाला जीव) है।

पर्यावास

- यह **आर्कटिक महासागर को छोड़कर** विश्व के सभी महासागरों में पाई जाती है।

गंगा नदी डॉल्फिन

संरक्षण की स्थिति

IUCN स्थिति **EN**

WPA, 1972 अनुसूची I

CITES परिशिष्ट I

संदर्भ:

- **भारत में पहली बार गंगा नदी डॉल्फिन को टैग किया गया।**

विशेषताएं

- ये **दृष्टिहीन** होती हैं। इसलिए, ये शिकार या अन्य जैविक क्रियाओं के लिए
- **इकोलोकेशन पर निर्भर** करती हैं।
  यह प्रत्येक 30-120 सेकंड में सतह पर आकर ब्लोहोल के माध्यम से सांस लेती है।

पर्यावास

- यह **केवल ताजे जल** में पाई जाती है। यह **नेपाल, भारत और बांग्लादेश की गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना और कर्णफुली-सांगू नदी तंत्र** में पाई जाती है।
- वर्तमान में, **विश्व की 90% गंगा नदी डॉल्फिन भारत** में मिलती है।

संरक्षण उपाय

- बिहार में स्थित विक्रमशिला गंगा डॉल्फिन अभयारण्य डॉल्फिन के संरक्षण हेतु एकमात्र वन्यजीव अभयारण्य है।
- इसे **"भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव (National Aquatic Animal)"** घोषित किया गया है। यह **भारतीय उपमहाद्वीप की स्थानिक (एंडेमिक) प्रजाति** है।
- प्रोजेक्ट डॉल्फिन की घोषणा 15 अगस्त 2020 को हुई थी।

सरीसृप, कीट, उभयचर, आदि

नेप्टिस फ़िलारा

संदर्भ

- हाल ही में, **दुर्लभ तितली प्रजाति नेप्टिस फ़िलारा को भारत में पहली बार खोजा** गया है।

विशेषताएं

- यह तितली **टेल वैली वन्यजीव अभयारण्य** में खोजी गई है। यह अभयारण्य **अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबनसिरी जिले** में स्थित है।
- इसे आमतौर पर **लंबी-धारियों वाली सेलर (long-streak sailor)** के रूप में जाना जाता है।
- इसके **पंखों पर दांत जैसी छोटी-छोटी आकृतियां** होती हैं। ये पंख **ऊपरी तरफ गहरे भूरे-काले और नीचे की तरफ पीले-भूरे** रंग के होते हैं।
- आमतौर पर, तितली की यह प्रजाति **पूर्वी एशिया** में पाई जाती है। यह **पूर्वी साइबेरिया, कोरिया, जापान, मध्य और दक्षिण-पश्चिम चीन** आदि में भी पाई जाती है।

पर्यावास

- सदाबहार वन, नदी-घाटी के नजदीक वनस्पति और चट्टान युक्त नदी धाराएं।

बटरफ्लाई सिकाडा (Cicada)

संदर्भ

- **मेघालय** में सिकाडा की एक नई प्रजाति की खोज की गई है।

विशेषताएं

- यह **जीनस बेक्वार्टिना** से संबंधित है। देश में यह **जीनस पहली बार दर्ज** किया गया है।
- इस जीनस की प्रजातियों के पंख **रंगीन** होते हैं। इस कारण इन्हें अक्सर **"बटरफ्लाई सिकाडा"** भी कहा जाता है।
- भारत में इसकी खोज के बाद अब **जीनस बेक्वार्टिना का वितरण दक्षिण-पूर्व एशिया से पूर्वोत्तर भारत** तक माना जाने लगा है।
- इसके अलावा, **अब ज्ञात बेक्वार्टिना प्रजातियों की कुल संख्या सात** हो गई है।

भौंरा (भंवरों) (Bumblebees)

संदर्भ

- हालिया शोध से पता चला है कि **भौरों में कीटनाशकों के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता** विकसित हो गई है।

विशेषताएं

- ये **बॉम्बस जीनस** से संबंधित हैं। ये कई जंगली फूलों के लिए महत्वपूर्ण परागणक (Pollinator) हैं।
- ये **छोटे और हल्के सख्त पंखों वाले रोएँदार कीट** हैं।
- ये **मधुमक्खियों से बड़े होने के बावजूद भी अधिक शहद उत्पन्न नहीं** कर पाते हैं।
- वे **बज (buzz) परागण** के लिए जाने जाते हैं।
- वे नृत्य के माध्यम से अपनी कॉलोनी के अन्य भौरों को **'खाद्य स्रोत' के बारे में संदेश पहुंचाते** हैं।

घड़ियाल (*Gavialis gangeticus*)

संरक्षण की स्थिति

CITES: परिशिष्ट I

IUCN स्थिति: CR

WPA, 1972: अनुसूची I

पर्यावास

- ये मुख्य रूप से ताजे पानी की नदियों जैसे कि चंबल, गिरवा, घाघरा, सोन और गंडक में पाए जाते हैं।

विशेषताएं

- घड़ियाल का नाम 'घड़ा' शब्द से लिया गया है। घड़ा एक भारतीय शब्द है, जिसका इस्तेमाल एक बर्तन के लिए किया जाता है। यह नाम उसके थूथन के अंत में एक **बल्बनुमा नॉब** की मौजूदगी के कारण दिया गया है।
- ये मुख्यत: मछली खाते हैं।

सी-एनीमोन

संदर्भ

- वैज्ञानिकों ने **लक्षद्वीप के अगाती द्वीप** के पास समुद्री जल में **सी-एनीमोन में व्यापक ब्लीचिंग (विरंजन)** की परिघटना को दर्ज किया है।

विशेषताएं

- ये **फाइलम निडारिया फैमिली** की समुद्री प्रजाति हैं।
    - **सी-एनीमोन** शिकारी जीव हैं। इनकी अधिकांश प्रजातियां **तटीय उष्णकटिबंधीय जल** में पाई जाती हैं।
- कोरल (प्रवाल/ मूंगा) की तरह, **सी-एनीमोन का भी हरे शैवाल के साथ सहजीवी संबंध** (Symbiotic relation) हैं।
- **समुद्री जल के तापमान में वृद्धि** की वजह से शैवाल के साथ इनका **सहजीवी संबंध** बाधित हो जाता है। इसकी वजह से इनमें **ब्लीचिंग की परिघटना** देखी जाती है।
- इनका **क्लाउनफिश के साथ भी सहजीवी संबंध** है।
    - क्लाउनफिश **एनीमोन के चुभने वाले स्पर्शकों** (stinging tentacles) की वजह से सुरक्षित रहती है, बदले में एनीमोन को क्लाउनफिश के आहार से भोजन मिलता है।
- यह प्रजाति समुद्र में **बेन्थिक क्षेत्र पारिस्थितिकी-तंत्र में प्रमुख जैव भू-रासायनिक** भूमिका निभाती है।

बैटिलिप्स चंद्रायणी

संदर्भ

- **तमिलनाडु** के दक्षिण-पूर्वी तट से **समुद्री टार्डिग्रेड** की एक नई प्रजाति की खोज की गई है। इसका नाम **चंद्रयान-3 (चंद्र मिशन)** के नाम पर **बैटिलिप्स चंद्रायणी** रखा गया है।

इनकी विशेषताएं

- यह भारतीय जल क्षेत्र में वैज्ञानिक रूप से वर्णित **तीसरी समुद्री टार्डिग्रेड प्रजाति** है।
- इसके एक **समलंब (ट्रेपेज़ॉइड) आकार का सिर और पैनी नोंक के साथ संवेदी रीढ़ से युक्त चार जोड़ी टांगें** होती हैं।
- ये चरम पर्यावरणीय दशाओं में भी जीवित रह सकते हैं।
- हाल ही में, **पहली बार खोजे गए टार्डिग्रेड जीवाश्म के अध्ययन** से उन्हें वर्गीकृत करने और **उनके विकासवादी इतिहास का पता लगाने में मदद मिली है।**

समुद्री खीरा (Sea cucumber)

WPA, 1972
अनुसूची I

संदर्भ

- एक नए शोध के अनुसार, समुद्री खीरों की संख्या बढ़ने से **प्रवाल भित्तियों को पुनर्जीवित करने में मदद** मिल सकती है।

इनकी विशेषताएं

- समुद्री खीरा **एकाइनोडर्म (समुद्री अकशेरुकी) नामक जीव समूह** का हिस्सा है। इस समूह में **स्टारफिश और सी अर्चिन (समुद्री साही)** भी शामिल हैं।
- इन्हें **उष्णकटिबंधीय समुद्रों के पहरेदार** के रूप में जाना जाता है। इसका कारण यह है कि ये विघटित होने वाले कार्बनिक पदार्थों का उपभोग करते हैं और उन्हें पुनर्चक्रण योग्य पोषक तत्वों में परिवर्तित करते हैं। इसके अलावा, **समुद्र के अम्लीकरण को भी रोकते** हैं।
- ये जीव **लैंगिक और अलैंगिक, दोनों तरीके से प्रजनन** करते हैं।

स्पर्म व्हेल (फिसेटर मैक्रोसेफालस)

संरक्षण की स्थिति

IUCN स्थिति
VU

संदर्भ:

- पहली बार, वैज्ञानिकों ने रेखांकित किया है कि **स्पर्म व्हेल मछलियों के बीच संवाद के लिए कट-कट-कट (क्लिक) की आवाजों** का इस्तेमाल होता है। इस आवाज को **कोडाज** कहा जाता है और यह **मोर्स कोड** जैसी आवाज होती है।

विशेषताएं

- स्पर्म व्हेल, **दांत वाली व्हेलों में सबसे बड़ी व्हेल प्रजाति** है। केवल नर व्हेल ध्रुवों के पास देखी जाती हैं।

पर्यावास

- **गहरे खुले समुद्री क्षेत्रों** में अथवा गहरी घाटियों या बहुत संकीर्ण महाद्वीपीय मग्नतट वाले **द्वीपीय और तटीय इलाकों** में पाई जाती हैं।
- ये **भारत, अर्जेंटीना, बांग्लादेश** जैसे देशों के समुद्री क्षेत्रों में पाई जाती हैं।

ऑलिव रिडले कछुए

संरक्षण की स्थिति

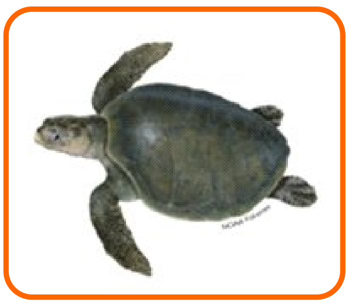

IUCN स्थिति
VU

CITES
परिशिष्ट I

संदर्भ:

- ऑलिव रिडले कछुओं की मौतों में हुई वृद्धि के मद्देनजर **तमिलनाडु के मुख्य सचिव ने एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक** की।

विशेषताएं

- इनका नाम इनके **जैतून जैसे हरे रंग और दिल के आकार के खोल** से प्रेरित है।
- यह मांसाहारी प्रजाति है। मुख्य रूप से जेलीफ़िश, झींगा, घोंघे, केकड़े, मोलस्क और अलग-अलग प्रकार की मछलियां व उनके अंडे खाती हैं।
- यह प्रजाति **अरिबादा नामक अपनी सामूहिक नेस्टिंग** के लिए जानी जाती है। इस दौरान हजारों मादाएं एक साथ एक ही समुद्र तट पर अंडे देने आती हैं।

पर्यावास

- यह समुद्री कछुओं की **सबसे छोटी और सबसे प्रचुर मात्रा में पाई जाने वाली प्रजातियों** में से एक है। यह प्रजाति मुख्य रूप से **प्रशांत, हिन्द और अटलांटिक महासागरों** के गर्म जल में पाई जाती है।

संरक्षण हेतु उपाय:

- ओडिशा के ऋशिकुल्या, गहिरमाथा और देवी नदी के आस-पास नेस्टिंग साइट में मछली पकड़ने की मौसमी गतिविधियों को प्रतिबंधित और समुदाय की भागीदारी के जरिए उस क्षेत्र को सुरक्षित किया जाता है।
- **मरीन टर्टल एक्शन प्लान (2021)**
- भारतीय तटरक्षक बल द्वारा **ऑपरेशन ओलिविया।**

इंडियन स्टार कछुआ (जियोचेलोन एलिगेंस)

संरक्षण की स्थिति

IUCN स्थिति: VU

WPA, 1972 अनुसूची-I

CITES परिशिष्ट I

संदर्भ:

- इंडियन स्टार कछुए का अस्तित्व अवैध वन्यजीव व्यापार और पर्यावास की हानि के कारण खतरे में है।

विशेषताएं

- ये आमतौर पर अकेले रहते हैं। ये **हाइबरनेट नहीं** करते हैं, लेकिन **अत्यधिक शुष्क/ गर्म/ ठंडा मौसम होने पर निष्क्रिय** हो जाते हैं।
- यह **मुख्य रूप से शाकाहारी जीव** है। इसका **विशेष ओब्सीडियन** शेल (खोल) होता है, जिसमें **पीले रंग के तारे के आकार के पैटर्न** बने होते हैं।

पर्यावास

- यह **उत्तर-पश्चिमी भारत, दक्षिणी भारत और श्रीलंका के शुष्क क्षेत्रों का स्थानिक जीव** है।

पादप प्रजातियां

यूट्रीकुलेरिया (ब्लैडरवॉट्र्स)

संदर्भ:

- हाल ही में, राजस्थान के **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में 'यूट्रीकुलेरिया' नामक पौधे काफी संख्या में पाए गए हैं।**

यूट्रीकुलेरिया (ब्लैडरवॉट्र्स) के बारे में

- यह **दुर्लभ** और **अनोखा मांसाहारी पौधा है।** इस पौधे को **यूट्रीकुलेरिया** नाम, इसके **छोटे ब्लैडर या यूट्रिकल्स के कारण** दिया गया है।
- **यूट्रिकल्स** के मुहाने पर **छोटे-छोटे बाल/ रोम जैसी संरचना** शिकार की हलचल को महसूस कर सकती हैं। जैसे ही कोई जीव इस रोम जैसी संरचना को स्पर्श करता है तो यूट्रिकल्स का मुहाना खुल जाता है और जीव उसमें फंस जाता है।
- यह पौधा **छोटे जीवों का शिकार करता** है। इनमें प्रोटोजोआ, कीट, लार्वा, मच्छर और यहां तक कि टैडपोल भी शामिल हैं।

- **पर्यावास:** यह पौधा **झीलों, नदियों और जलभराव वाली आर्द्र मृदा** में पाया जाता है।
- **महत्त्व:** यह जैव विविधता को बढ़ाता है। साथ ही, यह छोटे कीटों की संख्या को नियंत्रित रखकर **पर्यावरण में संतुलन बनाए रखता** है।

सी-वीड

संदर्भ

- **केंद्रीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR)-केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान को 'सी-वीड कल्टीवेशन के लिए उत्कृष्टता केंद्र'** के रूप में नामित किया गया है।

विशेषताएं

- यह **समुद्री पादपों और शैवालों की विविध प्रजातियों का** सामान्य नाम है। ये **महासागरों के साथ-साथ नदियों, झीलों** आदि में भी पाए जाते हैं।
- बहुकोशिकीय और माइक्रोस्कोपिक **स्वपोषी सी-वीड पादपों को आम तौर पर तीन समूहों** में वर्गीकृत किया जाता है। ये हैं- **हरा** (क्लोरोफाइटा), **भूरा** (फियोफाइटा) और **लाल** (रोडोफाइटा) सी-वीड।

उपयोग

- **पोषण:** इसे **समुद्री सब्जी** भी कहा जाता है। यह निम्नलिखित पोषक तत्व प्रदान करता है:-
  - **खनिज:** कैल्शियम, फास्फोरस, सोडियम, पोटेशियम आदि।
  - **विटामिन:** A, B1, B12, C, D, E आदि।
- **स्वास्थ्य:** इसका **एंटी-इंफ्लेमेटरी, रोगाणुरोधी और कैंसर के उपचार** में उपयोग किया जाता है।
- **विनिर्माण:** टूथपेस्ट, फ्रूट जेली, जैविक सौंदर्य प्रसाधन और त्वचा की देखभाल से संबंधित उत्पादों में बाइंडिंग एजेंट।
- **कृषि:** फसल उत्पादकता में वृद्धि करने में सहायक है आदि।

एक्विलारिया मैलाकेंसिस (अगरवुड)

संदर्भ

- CITES ने **भारत से अगरवुड के निर्यात को आसान** बना दिया है। इस कदम से लाखों किसानों को फायदा मिलेगा।

एक्विलारिया मैलाकेंसिस के बारे में

- एक्विलारिया मैलाकेंसिस (अगरवुड) **पूर्वोत्तर भारत, बांग्लादेश, भूटान और दक्षिण-पूर्व एशिया** के कुछ हिस्सों का **स्थानिक सदाबहार** वृक्ष है। यह **काफी कीमती और सुगंधित** वृक्ष है।
- इस सुगंधित पादप के तेल और चिप्स, दोनों का बाजार में अत्यधिक मूल्य है।

सिंट्रिचिया केनिनर्विस

संदर्भ

- वैज्ञानिकों ने एक **रेगिस्तानी काई (Moss) 'सिंट्रिचिया केनिनर्विस'** की खोज की है। यह काई **मंगल ग्रह जैसी पर्यावरणीय स्थितियों का सामना** करने में सक्षम है।

सिंट्रिचिया केनिनर्विस के बारे में

- यह **अंटार्कटिका और मोजावे रेगिस्तान** सहित पृथ्वी के कुछ सबसे कठोर स्थानों में पाई जाती है।
- यह **मंगल ग्रह पर कॉलोनी स्थापित करने हेतु पहली संभावित अग्रणी प्रजाति** हो सकती है।

सेमल वृक्ष (सिल्क कॉटन ट्री)

संदर्भ

- दक्षिणी राजस्थान से सेमल के वृक्षों के लुप्त होने से वनों एवं आम जनमानस पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

सेमल वृक्ष के बारे में

- यह एक विशाल **पर्णपाती वृक्ष** है। यह अपने लाल रंग के फूलों के लिए जाना जाता है।
- इस पेड़ के हर भाग से **आयुर्वेदिक दवाएं** तैयार की जा सकती हैं।
  - उदाहरण के लिए- इसकी जड़ों का उपयोग मधुमेह की बीमारी के इलाज के लिए किया जाता है, आदि।
- राजस्थान और मध्य प्रदेश में **कई आदिवासी समुदाय** इस वृक्ष की पूजा करते हैं।
- इसके बीज से **खाद्य तेल** प्राप्त होता है, जिसका उपयोग साबुन बनाने में किया जाता है।

मेसिप्टेरिस ओब्लान्सियोलाटा (Tmesipteris oblanceolata)

संदर्भ

- एक नए शोध के अनुसार **मेसिप्टेरिस ओब्लान्सियोलाटा का जीनोम सबसे बड़ा** है। मेसिप्टेरिस ओब्लान्सियोलाटा **फोर्क फर्न की एक प्रजाति** है।

मेसिप्टेरिस ओब्लान्सियोलाटा के बारे में

- इसमें **160 बिलियन क्षार युग्म** होते हैं, जो मानव जीनोम से **50 गुना ज़्यादा** हैं।
  - **क्षार युग्म DNA के एक रज्जुक (स्ट्रैंड) को बनाने वाली इकाइयां** हैं।
- यह **पादपों के एक आदिम समूह से संबंधित** है। यह **धरती पर डायनासोर के आने से बहुत पहले से अस्तित्व** में है।
- यह प्रजाति केवल **प्रशांत महासागर में स्थित न्यू कैलेडोनिया (फ्रांसिसी विदेशी क्षेत्र) और इसके कुछ नज़दीकी द्वीपों में पाई जाती है। यह प्रजाति वर्षा वनों में वृक्षों के तने और शाखाओं** पर पाई जाती है।

पाम वृक्ष

संदर्भ

- आकाशीय बिजली गिरने से होने वाली मौतों को रोकने के लिए **ओडिशा सरकार ने पाम वृक्ष लगाने का निर्णय** लिया है।

पाम वृक्ष के बारे में

- यह **उष्णकटिबंधीय वन पारिस्थितिकी-तंत्र** के अंतर्गत उगता है।
- **पाम वृक्ष की किस्में:** नारियल, ऑयल पाम, सुपारी, पलमायरा आदि।
  - पलमायरा **तमिलनाडु का राजकीय वृक्ष** है।
- **पाम वृक्ष की विशेषताएं:**
  - आकाशीय बिजली गिरने के दौरान यह **प्राकृतिक तड़ित चालक (Natural conductors)** के रूप में कार्य करता है और **जानमाल की हानि पर रोक** लगाता है।
  - **नर पाम** वृक्ष पर केवल फूल लगते हैं, जबकि **मादा पाम** वृक्ष पर फूल के साथ-साथ फल भी लगते हैं।
- **लाभ:**
  - पाम वृक्ष के पत्तों का उपयोग **बाड़, दीवारों और छतों के लिए निर्माण सामग्री** के रूप में किया जाता है।
  - पाम वृक्ष कई तरह के **खाद्य और गैर-खाद्य उत्पाद** उपलब्ध कराता है।

नीलकुरिंजी

संदर्भ

- IUCN (इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर) ने नीलकुरिंजी को संकटग्रस्त प्रजातियों की आधिकारिक लाल सूची में शामिल किया है। इसे लाल सूची में **वल्नरेबल श्रेणी** में सम्मिलित किया गया है।

विशेषताएं

- यह **एक झाड़ी है।** इस पर हर 12 साल में एक बार फूल खिलते है। इसकी प्रकृति **सेमलपेरस (Semelparous)** है, यानी यह पादप अपने जीवन काल में सिर्फ एक बार प्रजनन करता है।
- **अवस्थिति:** यह पादप पश्चिमी घाट के शोला घास के मैदान (नीलगिरि पहाड़ियां, पलानी पहाड़ियां और मन्नार की एराविकुलम पहाड़ियां) तथा पूर्वी घाट में शेवराय पहाड़ियों में पाया जाता है।
  - **नीलगिरि पहाड़ियों का नाम भी कुरिन्जी के नीले रंग** से उत्पन्न हुआ है, जिसका शाब्दिक अर्थ 'नीला पर्वत' है।
- **प्रमुख खतरे:** चाय और नरम लकड़ी के वृक्ष बागानों तथा शहरों का विस्तार नीलकुरिंजी के पर्यावास को सीमित कर रहा है। इसके अलावा **यूकेलिप्टस, ब्लैक वेटल** जैसी विदेशी प्रजातियां भी नीलकुरिंजी को नुकसान पहुंचा रही है।

कलमी/ करमुआ/ नारी साग (Water Spinach)

संदर्भ

- भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (IIVR) द्वारा विकसित तकनीक से अब किसान आम खेतों में भी कलमी/ करमुआ/ नारी साग की खेती कर सकते हैं।

विशेषताएं

- यह **उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** की मूल प्रजाति है। माना जाता है कि इस **अर्ध-जलीय बारहमासी पादप की सबसे पहले खेती दक्षिण-पूर्व एशिया** में की गई थी।
- **लाभ:**
  - यह **फोलिक एसिड (विटामिन B9)** से भरपूर होता है और इसमें **बीटा कैरोटीन, कैल्शियम तथा विटामिन E और C** भी पाया जाता है।
  - यह **गर्भ में पल रहे शिशु में न्यूरल ट्यूब विकार को रोकने** में मदद करता है।
  - **आयरन से भरपूर** होने के कारण यह **एनीमिया से पीड़ित लोगों के लिए फायदेमंद है।**
  - इसमें **जलीय पर्यावासों के शोधक या प्यूरीफायर** के रूप में कार्य करने की काफी क्षमता होती है।

अश्वगंधा (Withania somnifera)

संदर्भ

- अश्वगंधा की लोकप्रियता भारत और विदेश, दोनों जगहों पर बढ़ रही है।

विशेषताएं

- यह एक **सदाबहार झाड़ी है।** इसका पौधा **भारत, अफ्रीका और मध्य पूर्व** के कुछ हिस्सों में पाया जाता है।
- इसका इस्तेमाल औषधीय पौधे के रूप में, विशेष रूप से **पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा** में किया जाता है।
- इसमें **विथेनोलाइड्स सहित कई बायोएक्टिव यौगिक** होते हैं। इन यौगिकों में **सूजन-रोधी और एंटीऑक्सीडेंट** प्रभाव होते हैं।
- इसका उपयोग अक्सर तनाव और चिंता, नींद नहीं आने, पुरुष बंध्यता जैसी बीमारियों के इलाज में; एथलेटिक में प्रदर्शन बढ़ाने आदि के लिए किया जाता है।

कश्मीरी चिनार

संदर्भ:

- हाल ही में, कश्मीरी चिनार को QR-कोड के साथ **जियो-टैगिंग** के माध्यम से डिजिटल सुरक्षा मिली है।

कश्मीर चिनार (प्लैटैनस ओरिएंटलिस) के बारे में

- **मूल स्थान:** यह मूलतः **ग्रीस** से संबंधित है। यह पूरे कश्मीर में पाया जाता है, विशेष रूप से **पूर्वी हिमालय में उगता** है।
  - श्रीनगर की **डल झील** के एक द्वीप **चार चिनार का नाम इसके नाम** पर ही रखा गया है।
- **प्रमुख विशेषताएं:**
  - **विशाल एवं पर्णपाती तथा 30 मीटर तक ऊंचे** होने वाले इस वृक्ष को पूरी ऊंचाई तक पहुंचने में लगभग 150 वर्ष लगते हैं।
  - यह अपनी **दीर्घायु और रंग बदलती पत्तियों** के लिए जाना जाता है। जैसे- **गहरी हरी (ग्रीष्म), रक्त-लाल, अंबर और पिली (शरद ऋतु)।**
  - **उपयोग:** इसका **औषधीय उद्देश्यों, इंटीरियर फर्नीचर के लिए लकड़ी, रंग बनाने** आदि के लिए उपयोग किया जाता है।

उष्णकटिबंधीय पादप सुबाबुल

संदर्भ:

- हाल ही में, **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उन्नत अध्ययन संस्थान (IASST), गुवाहाटी** के शोधकर्ताओं ने **टाइप-II मधुमेह से संबंधित इंसुलिन प्रतिरोध के प्रबंधन** में सुबाबुल के चिकित्सीय महत्त्व को उजागर किया है।

सुबाबुल (*ल्यूकेना ल्यूकोसेफाला*) के बारे में

- यह एक तेजी से बढ़ने वाला पारंपरिक औषधीय फलीदार वृक्ष है। यह **उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय** क्षेत्रों का **स्थानिक** वृक्ष है।
- पारंपरिक रूप से नृजातीय समुदायों द्वारा इसका इसके पोषण मूल्य के कारण उपयोग किया जाता है। इसकी पत्तियों और बीजों को कच्चा खाया जाता है या प्रोटीन व फाइबर के समृद्ध स्रोत के रूप में सूप एवं सलाद के रूप में भी खाया जाता है।

डिक्लिप्टेरा पॉलीमोर्फा

संदर्भ:

- **आघारकर अनुसंधान संस्थान (ARI), पुणे** के वैज्ञानिकों ने **पश्चिमी घाट** में डिक्लिप्टेरा की **एक नई प्रजाति की खोज** की है। गौरतलब है कि पश्चिमी घाट भारत में मौजूद **चार वैश्विक जैव विविधता हॉटस्पॉट्स में से एक है।**

डिक्लिप्टेरा पॉलीमोर्फा के बारे में

- **पर्यावास:** यह सूखे और बार-बार आग लगने जैसी **चरम दशाओं वाले खुले घास के मैदानों** में पनपता है। साथ ही, इसकी **मजबूत जड़ें इसे पर्यावरणीय आघातों को सहन में सक्षम** बनाती हैं।
- **असामान्य रूप से साल में दो बार फूल का खिलना:** इसका फूल वर्ष में दो बार खिलता है, एक बार **मानसून के बाद** (नवंबर के आरंभ से मार्च या अप्रैल तक) और दूसरी बार **घास के मैदानों में आग लगने के बाद** (मई और जून में)।
- **स्पाइकेट पुष्पक्रम:** यह स्पाइकलेट पुष्पक्रम संरचना वाली एकमात्र ज्ञात भारतीय प्रजाति है। इसकी सबसे करीबी प्रजाति **अफ्रीका** में पाई जाती है।

सी-बकथॉर्न

संदर्भ:

- **लद्दाख** में महिलाएं **सी बकथॉर्न की खेती** में अहम भूमिका निभाती हैं।

सी बकथॉर्न के बारे में

- इसे **2023 में GI टैग** दिया गया था।
- लद्दाख में इसे बिना किसी कीटनाशक के **पूरी तरह जैविक तरीके** से उगाया जाता है। **हर साल सितंबर-अक्टूबर** में इस फसल की कटाई की जाती है।
- **पौधे के प्रत्येक भाग** (जिसमें फल, पत्ती, टहनी, जड़ और कांटे शामिल हैं) का **पारंपरिक रूप से औषधि, पोषण के पूरक आदि** के रूप में उपयोग किया जाता रहा है।
  - इसलिए, इसे लोकप्रिय रूप से **'वंडर प्लांट, लद्दाख गोल्ड, गोल्डन बुश या ठंडे रेगिस्तान की सोने की खान'** के नाम से जाना जाता है।

जलकुंभी (Water Hyacinth)

संदर्भ:

- **असम के बाढ़ प्रभावित बोरचिला क्षेत्र** की महिलाएं जलकुंभी को पर्यावरण अनुकूल उत्पादों में बदल रही हैं। साथ ही, **स्वच्छ भारत मिशन (SBM)-शहरी** के तहत रोजगार का सृजन कर रही हैं।

जलकुंभी के बारे में

- **जलकुंभी के नकारात्मक प्रभाव**
  - **जल गुणवत्ता ह्रास:** इससे जल में **ऑक्सीजन की कमी** हो जाती है। इससे जलीय जीवों को नुकसान पहुंचता है।
  - **पारिस्थितिक असंतुलन:** यह देशी पादप प्रजातियों को समाप्त कर सकती है। इसके चलते **ताजा जल के पारिस्थितिक-तंत्र की जैव विविधता में गिरावट** आ सकती है।
- **जलकुंभी के सकारात्मक प्रभाव/ उपयोग**
  - यह जल में मौजूद **भारी धातुओं, विषाक्त पदार्थों को अवशोषित** कर सकती है। इस प्रकार यह **जल प्रदूषण को कम** कर सकती है।
  - इसके अलावा, **पशु चारा, खाद और जैव ऊर्जा को संसाधित** कर सकती है।
  - इसे एकत्र किया जा सकता है और **शिल्प व फर्नीचर जैसे पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों में प्रसंस्कृत** किया जा सकता है।

वंतारा में जानवर

संदर्भ: प्रधान मंत्री ने गुजरात के जामनगर में स्थित दुनिया के सबसे बड़े वन्यजीव बचाव और पुनर्वास केंद्र **वंतारा** के उद्घाटन के दौरान कई वन्य जीवों के साथ समय बिताया।

ओकापी

IUCN स्थिति EN

विशेषताएं

- ओकापी को **"फॉरेस्ट जिराफ" या "जेब्रा जिराफ"** कहा जाता है।
- ये **एकाकी** प्राणी हैं, जो मुख्य रूप से **दिन में सक्रिय** होते हैं और बड़े क्षेत्र में विचरण करते हैं। ये अपने पैरों में मौजूद गंध ग्रंथियों से अपने क्षेत्र को चिन्हित करते हैं।

पर्यावास

- ओकापी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (DRC) की स्थानिक प्रजाति है।

अफ्रीकी शेर (Panthera leo)

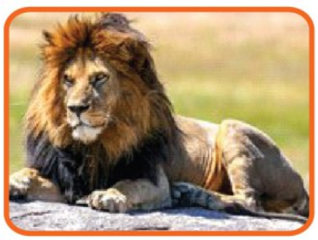

IUCN स्थिति VU

CITES परिशिष्ट-1

विशेषताएं

- अफ्रीकी नर शेरों की अयाल (गर्दन के चारों ओर का घना बालों का झुरमुट) घनी होती है, जबकि मादा शेरनी शिकार करने में मुख्य भूमिका निभाती हैं।
- एशियाई शेरों की तुलना में अफ्रीकी शेर आकार में बड़े होते हैं, उनकी ऑयल गहरी और घनी होती हैं, और ये बड़े झुंडों में रहते हैं।

पर्यावास

- अफ्रीका के **उप-सहारा क्षेत्र** के सवाना, घास के मैदान और खुले वन।

दो सिर वाला दुर्लभ कछुआ (Bicephalic Chelonian)

विशेषताएं

- यह जेनेटिक उत्परिवर्तन के कारण होता है, जिससे एक शरीर पर दो सिर विकसित होते हैं (जिसे पॉलिसेफाली या बाइसेफाली कहा जाता है)।
- दोनों सिर स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं, जिससे समन्वय बनाने में चुनौती आती है।
- यह अलग प्रजाति नहीं है, इसलिए इसकी कोई विशिष्ट संरक्षण स्थिति नहीं है।
- इन्हें अक्सर कैप्टिविटी दशाओं में रखा जाता है, क्योंकि वन या प्रकृति में इनके जीवित रहने की संभावना कम होती है।

ओरंगुटान (Pongo spp.)

IUCN स्थिति: CR

WPA, 1972 अनुसूची-1

CITES परिशिष्ट-1

विशेषताएं

- ऑरंगुटान बड़े, लाल-भूरे रंग के प्राइमेट्स होते हैं, जिनकी लंबी बाहें होती हैं।
- ये अत्यंत बुद्धिमान होते हैं व औजार का इस्तेमाल करते हैं तथा इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है।
- ये प्रायः अकेले रहते हैं, सिवाय माँ के जो अपने बच्चों के साथ रहती है।

तीन प्रजातियां

- बोर्नियन सुमात्रई और तपानुली।

पर्यावास

- बोर्निओ और सुमात्रा के उष्णकटिबंधीय वर्षावन।

खतरे

- रबर बागान वनों की कटाई, पालतू प्राणी के रूप इनका अवैध व्यापार और अवैध शिकार।

लेमूर

विशेषताएं

- लेमूर लेमूरिफोर्मेन्स इन्फ्राऑर्डर से संबंधित प्राइमेट्स की एक श्रेणी है।.
- इनकी 100 से अधिक प्रजातियाँ हैं, जो छोटे माउस लेमूर से लेकर बड़े इंड्री तक हो सकती हैं।
- कई प्रजातियाँ सामाजिक होती हैं और अक्सर मादा-प्रधान समूहों में रहती हैं।
- कई लेमूर प्रजातियाँ (सभी नहीं) परिशिष्ट I में सूचीबद्ध हैं।

पर्यावास

- लेमूर केवल मेडागास्कर और इसके पास के कोमोरस द्वीपों में पाए जाते हैं।
- ये वृक्षों पर रहते हैं।
- ये विविध पारिस्थितिकी तंत्रों में रहते हैं, जैसे वर्षावन, शुष्क पतझड़ वन, मैंग्रोव और कांटेदार वन।

लाइव / ऑनलाइन
कक्षाएं भी उपलब्ध

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

सामान्य अध्ययन फाउंडेशन कोर्स 2026

प्रीलिम्स और मेन्स, दोनों

दिल्ली

22 अप्रैल, 11 AM | 6 मई, 11 AM

अवधि – 12 महीने

VisionIAS ऐप को डाउनलोड करने के लिए दिए गए QR कोड को स्कैन कीजिए

निःशुल्क काउंसिलिंग के लिए QR कोड को स्कैन कीजिए

डेली MCQs और अन्य अपडेट्स के लिए हमारे ऑफिशियल टेलीग्राम ग्रुप को ज्वाइन कीजिए

- सामान्य अध्ययन फाउंडेशन कोर्स में GS मेन्स के सभी चारों पेपर, GS प्रीलिम्स, CSAT और निबंध के सिलेबस को विस्तार से कवर किया जाता है।
- अभ्यर्थियों के ऑनलाइन स्टूडेंट पोर्टल पर लाइव एवं ऑनलाइन रिकॉर्डेड कक्षाओं की सुविधा भी उपलब्ध है, ताकि वे किसी भी समय, कहीं से भी लेक्चर और स्टडी मटेरियल तक प्रभावी ढंग से पहुंच सकें।
- इस कोर्स में पर्सनालिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी शामिल है।
- 2025 के प्रोग्राम की अवधिः 12 महीने
- प्रत्येक कक्षा की अवधिः 3–4 घंटे, सप्ताह में 5–6 दिन (आवश्यकता पड़ने पर रविवार को भी कक्षाएं आयोजित की जा सकती हैं)

नोटः अभ्यर्थी फाउंडेशन कोर्स की लाइव वीडियो कक्षाएं घर बैठे अपने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी देख सकते हैं। साथ ही, अभ्यर्थी लाइव चैट के जरिए कक्षा के दौरान अपने डाउट्स और विषय संबंधी प्रश्न पूछ सकते हैं। इसके अलावा, वे अपने डाउट्स और प्रश्न को नोट कर दिल्ली सेंटर पर हमारे क्लासरूम मेंटर को बता सकते हैं, जिसके बाद फोन/ मेल के जरिए अभ्यर्थियों के प्रश्नों का समाधान किया जाता है।

GS फाउंडेशन कोर्स की अन्य मुख्य विशेषताओं पर एक नज़र

नियमित तौर पर व्यक्तिगत मूल्यांकन
अभ्यर्थियों को नियमित ट्यूटोरियल, मिनी टेस्ट एवं ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज के माध्यम से व्यक्तिगत व अभ्यर्थी के अनुरूप और ठोस फीडबैक दिया जाता है

सभी द्वारा पढ़ी जाने वाली एवं सभी द्वारा अनुशंसित
विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम द्वारा तैयार की गई मासिक समसामयिकी मैगजीन, PT 365 और Mains 365 डॉक्यूमेंट्स तथा न्यूज़ टुडे जैसी प्रासंगिक एवं अपडेटेड अध्ययन सामग्री

नियमित तौर पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन
इस कोर्स के तहत अभ्यर्थियों के डाउट्स दूर करने और उन्हें प्रेरित रखने के लिए नियमित रूप से फोन/ ईमेल/ लाइव चैट के माध्यम से "वन–टू–वन" मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज़
प्रत्येक 3 सफल उम्मीदवारों में से 2 Vision IAS की ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज को चुनते हैं। Vision IAS के पोस्ट टेस्ट एनालिसिस के तहत टेस्ट पेपर में स्टूडेंट्स के प्रदर्शन का विस्तार से विश्लेषण एवं समीक्षा की जाती है। यह अपनी गलतियों को जानने एवं उसमें सुधार करने हेतु काफी महत्वपूर्ण है।

कोई क्लास मिस ना करें
प्रत्येक अभ्यर्थी को एक व्यक्तिगत "स्टूडेंट पोर्टल" उपलब्ध कराया जाता है। इस पोर्टल के जरिए अभ्यर्थी किसी भी पुराने क्लास या छूटे हुए सेशन और विभिन्न रिसोर्सेज़ को एक्सेस कर सकते हैं एवं अपने प्रदर्शन का सापेक्ष एवं निरपेक्ष मूल्यांकन कर सकते हैं।

बाधा रहित तैयारी
अभ्यर्थी VisionIAS के क्लासरूम लेक्चर्स एवं विभिन्न रिसोर्सेज़ को कहीं से भी तथा कभी भी एक्सेस कर सकते हैं और वे इन्हें अपनी जरुरत के अनुसार ऑर्गनाइज कर सकते हैं।

/c/VisionIASdelhi /vision_ias /visionias_upsc /VisionIAS_UPSC

Heartiest
Congratulations
to all Successful Candidates

10 in **TOP 10** Selections in **CSE 2024**
from various programs of **Vision IAS**

1 AIR
Shakti Dubey

2 AIR
Harshita Goyal

3 AIR
Dongre Archit Parag

4 AIR
Shah Margi Chirag

5 AIR
Aakash Garg

6 AIR
Komal Punia

7 AIR
Aayushi Bansal

8 AIR
Raj Krishna Jha

9 AIR
Aditya Vikram Agarwal

10 AIR
Mayank Tripathi

हिंदी माध्यम में 25+ चयन CSE 2024 में

137 AIR
Ankita Kanti

182 AIR
Ravi Raaz

438 AIR
Mamata

448 AIR
Sukh Ram

509 AIR
Amit Kumar Yadav

HEAD OFFICE (DELHI)
Apsara Arcade, 1/8-B 1st Floor, Near Gate-6 Karol Bagh Metro Station

MUKHERJEE NAGAR CENTER
Plot No. 857, Ground Floor, Mukherjee Nagar, Opposite Punjab & Sindh Bank, Mukherjee Nagar

GTB NAGAR CENTER
Classroom & Enquiry Office, above Gate No. 2, GTB Nagar Metro Building, Delhi - 110009

FOR DETAILED ENQUIRY
Please Call:
+91 8468022022,
+91 9019066066

enquiry@visionias.in | /@visionias hindi | /visionias.upsc | /vision_ias_hindi/ | /hindi_visionias

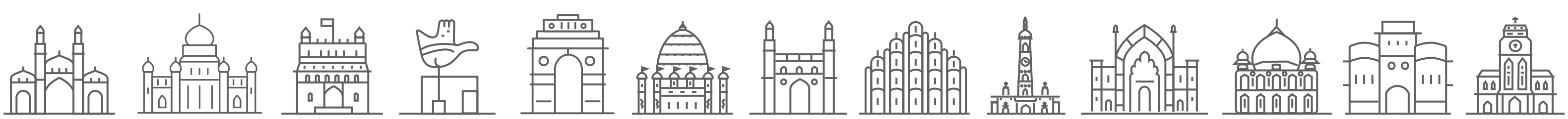
अहमदाबाद | बेंगलूरु | भोपाल | चंडीगढ | दिल्ली | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | रांची